

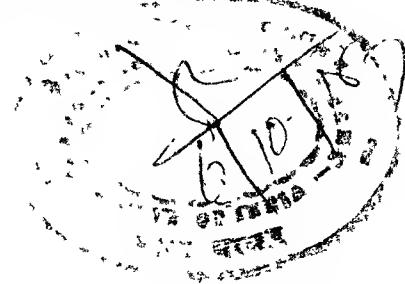


भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 155]

नई दिल्ली, बृहिस्पतिवार, जुलाई 16, 1987/आषाढ 25, 1909

No. 155]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 16, 1987/ASADHA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88
नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1987

विषय—जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस दातें।

फाइल सं. आई.पी.सी./23 (34)/85-88—जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा विस्तारित पं. बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन येन के येन क्रेडिट के अंतर्गत आयातों पर शासित दातें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिचय में दी गई हैं, जानकारी के लिए अधिसूचित की जा रही हैं:

ह.।—

(राजीव सोबत मिश्र), मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित
एम. पी. धूर, उत्तर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 201-आई.टी.सी. (पी.एन.) / 85-88 दिनांक 16-7-87 का परिचय।

जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किए गए पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 8,025 विलियन के येन क्रेडिट के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंस दातें।

खण्ड—1 सामान्य दातें:—

1. (1) पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत बोर्ड (डब्ल्यू. बी. एस. ई. बी.) की तीस्ता नहर हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना की आयात आवश्यकताओं को वितान करने के लिए जापान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 8,025 विलियन का शृण भारत सहित जापान और बिकासशील देशों के लिए लुप्त है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त ही जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और भनुवन्ध—I की सूची में उद्दृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस शृण के अंतर्गत पात्र स्वीकृत देश होंगे।

1. (2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उसी भूत्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिवेशालय तकनीकी विकास/पूजीगत माल समिति द्वारा वियोग १५ से निकाली कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस (सॉ) येन

का गृह ४.४३ वित्तियन (लागत वीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आपात लाइंसों पर रूपये में रन्य, भाज्य, विभाग (से अनुभाग) द्वारा अधिकृत विभिन्न तर और अंतराल लाइंसेन जारी करने की तिथि को प्रतिक्रिया तर और मुक्त विभिन्न वार्षिकीय कार्य जारी की गई भावितानिक रूपान्तर सं. ७४-प्र०१, दो. अ०, (प्र०. पत.) १२४, वित्तिक ६ जन. १९७४ के रै-२ के अनुमान आपात लाइंसें में संदर्भिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख है कि वीमा-शुल्क प्राप्ति नहीं जारी; विदेशी मुद्रा के प्राप्तिकृत व्यापारी आयात लाइंसें (सों) में विभिन्न दुकान वित्तिय दर पर लाइंसें मूल्य के नामें आलेगा। लाइंसें पर एक भीर्वक "जापानी मूल अण्ण र०. ब्र०. अ०. ४० होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइंसें में "ए०. ज०. सो." कोड होगा। प०. वेदान राज्य विद्युत बोर्ड को आयात लाइंसें भेजने समय मुक्त नियन्त्रक, आया-नियन्त्रित के पक्ष में भी हो दुरव्यापार जाएगा, फिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय अधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृथक्कित की जानी चाहिए।

1. (3) लागत-वीमा-भाड़ा के अधिकार पर केवल पं. वंगल राज्य विद्युत बोर्ड के नम् द्वारा जारी किया जा सकता है।

1. (4) आयात लाइंस की भुविद्या पर विवर लगाए तु ए एक से अधिक आपात लाइंसें लिंडिके आरंत जारी किए जा रहके हैं। सेकिन, कुल मूल्य येन ४.४३ वित्तियन (लागत वीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि अपर पैरा 1(2) में कहा गया है।

1. (5) आयात लाइंस की वीधाना, में वृद्धि प्राप्तक द्वारा आयात करने पर १२ महीनों की और आपात की अवधि के लिए दी जा सकती है। आगे और वृद्धि करने के लिए/विवाद आपात लाइंसें जारी करने के लिए यह कोई अवैदन हो तो उने अधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1. (6) क्रॉडिट के प्रधीन वित्तियन फिए जाने वाले आयात/आयात लाइंसें प्राप्तिकारी द्वारा विधिवत् संत्यक्ति संलग्न माल और सेवाओं की मूल्य तक प्रतिवृधित है।

1. (7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण्य की अनुमति आयात लाइंसें के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी सुगतान गारंटी अधिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन, ऐसे सुगतान लाइंसें मूल्य के ही भाग हीमें और लाइंसें पर ही प्रभावित किए जाएं।

1. (8) पक्के आदेश अनुबंध—I में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी गवर्नरों को जहाज पर नियुक्त के प्राधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइंसें जारी होने की तिथि से ४ महीनों की अवधि के भीतर अधिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को जो दिए जाने चाहिए। वीमा प्रभात का सुगतान भारतीय रूपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संघरस्तों की भारतीय लाइंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से हैं जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् दस्तकारित हो था भा तीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् दस्तकारित क्रय संभव हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अधिकर्ताओं पर आदेश या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1. (9) आर महीनों की अवधि के भीतर डेशों भी इन जर्ते का तत्र तक अनुग्रहत किया जाना नहीं समझा जाएगा जब तक कि डेशों के पूर्ण दस्तकारी आयात लाइंसें जारी होने की तिथि से बार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आदिक कार्य विभाग, बज्ज्य, ई.-१ शमुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं २ वि उपर्युक्त पैरा-१(6) में यथा दस्तिवित पक्के आदेश बार महीनों के भीतर दैश कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो इन कारणों

का उल्लेख करी हुए प्रारंभिकार्तियों भव्यता लाइंस और सम्बद्ध लाइंसें प्राप्ति नहीं है। जारी करने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइंसें प्राप्तिकार्तियों द्वारा पात्रता के अधिकार पर विवार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों तक और अधिक के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। जेकिन यदि वृद्धि इतनी लाइंसें के जारी रहती की तिथि से ४ महीनों से अधिक के लिए मात्री जाती है तो ऐसे प्रत्यावर्त्तन विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएं जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मध्यवेज को पात्रता के अधार पर विवार करते और अपना निर्णय लाइंसें प्राप्तिकार्तियों को देंगे। जिसको दें लाइंसेंधारी को प्रेसिट देंगे। लाइंसेंधारी द्वारा लाइंसें प्राप्तिकार्तियों से भेजने पैसी वृद्धि प्रशंग करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विमानीय पदाधिकारी आयात लाइंसें के अधीन हिए भए संभवा ठेकों में बैक गारंटी साख्यन्तर स्थापित करने के लिए प्रावितारः पत्र तुल्य रूपया जमा करने आदि को सुनहरा को मुद्रिधारी को जनूराति देंगे।

1(10) आयात लाइंसें की अपार्टिन से चार महीनों के भीतर सभी भुगतान विवरण रूपे कर देने चाहिए। मान के पोतलवान पर अलग-अलग भगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अपार्टिन पोतलवान दस्तावजी के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए दिए जी संगतक से भारतीय आपातक को किसी भी किस्म की भूल युक्तिया उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मान के वितरण की अधिकता दिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:--

"साथ-पत्र का प्राप्ति के बाव--महीने परस्तु अधिक से अधिक के अवल तक पूर्ण किया जाता है।"

पोतलवान के सिये आदिको तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि यह तिथि 30-6-1991 के बाब की न हो।

ध्यान-2 सम्भरण ठेके का समझीन करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बाबें--

2(1) ठेके का जहाज पर्वत नियुक्त मूल्य/लागत एवं भाड़ा मूल्य येन में (येन को भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिये और इसमें भारतीय अधिकर्ता का कमीशन यदि कोई हो सो तो यह शामिल नहीं होगा चाहिये जो कि भारतीय रूपये में पुकाना चाहिये।

भारतीय रूपये भाड़ा मूल्य में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिये। भाड़ा आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश देवल अवधी में होना चाहिये।

2(2) अण की धनराणि में से वित्त बोधित की जाने वाले सभी मान और गेवाओं की अधिकार्ति, निम्नलिखित परियुक्त निर्धारणों सहित ध्यान के अवीन अधिकारित के मार्ग-रूपों के प्रत्युमार की जानीं:—

(क) कम से कम 300 मिनियन येन के धनराणि मूल्य के मात्र और सेवाओं की अधिकार्ति के मामले में—

(1) यदि पूर्ण अर्हता सहित सुनी अन्तर्राष्ट्रीय विवाद में भिन्न अभिप्राप्ति कियावधि अपतानों का भवताव है तो अधिप्राप्ति की पहुंच के अनुमोदन के लिये ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जायेगा। लिंप और ओनी मूलांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त प्राप्ति किया जायेगा।

(2) सकल ओनीकार को निर्धार्य का नोटिस जारी करने से पहले ओनी गूम्यकन एसोर्ट सेटा निर्धार्य के अनुमोदन के लिये आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जायेगा। लिंप और ओनी मूलांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ प्रहृता की मूलांकन रिपोर्ट, ओनी-

कारों को दिये गये नोटिस और अनुरोध, बोलो प्रत, प्रस्तावित ठेका विशिष्टिकरण और द्वारा और बोलो से संबंधित अन्य दस्तावेज औ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

(ख) 300 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिये औ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खेपें उत्तित रूप से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि औ.ई.सी.एफ. अनुरोध करे तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसको पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेंगी।

(ग) परमर्शदाताओं की नियुक्ति, परमर्शदाताओं की नियुक्ति के लिये मार्गदर्शनों, के अनुसार की जायेगी। परन्तु निम्नलिखित के लिये औ.ई.सी.एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा:—

- (1) संदर्भ की शर्तें
- (2) परमर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) आमंत्रण-पत्र
- (4) संक्षेप मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट ड्राफ्ट संविदा
- (5) ड्राफ्ट संविदा।

(घ) आयातक उपर्युक्त (क)(1), (क)(2) और (ख) में उल्लिखित आवेदन पत्र आयातक दस्तावेज आर्थिक कार्ये विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो आगे उसे औ.ई.सी.एफ. को भेजेगा।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो, द्वारा, 1986-87 के लिये औ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-40 के अधीन खोले गये अपरिवर्तनीय साधपत्र के मध्यम से किया जाना चाहिये। जिसका व्यौरा नीचे खण्ड-6 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिये। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है जिसके लिये आयात लाइसेंस जरूरी होने की तिथि के तुरन्त बदल वित्त मंत्रालय, आर्थिक कर्तव्य विभाग (जपन अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना, चाहिये।

2(5) संभरक की पावता।

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक होने या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शामिल वैध व्यक्ति होंगे।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित हैं उसका वित्तान किया जा सकता है वशर्त कि आयातित भाग निम्नलिखित सूचे के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक मूल्य के 30 प्रतिशत से कम हो:—

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य—आयात भुक्त

—X 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरक के मामले में कारखाना मूल्य अपताया जायेगा) 2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा साल एवं संभरक की प्रशंसा और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जायेगी:—

“मैं, अध्योहस्ताक्षरी एतद्वारा प्राप्तिकरता हूं कि संभरक, किया जाने वाला माल —————— (संभरक का प्रत्येक स्रोत देश का नाम) में उत्तराधित है।

मैं, औ.ई.सी.एफ. द्वारा द्वारा दिया हूं कि ए.आ.पूर्व जलकारी और विभाग के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से प्राप्तित भाग निम्नलिखित सूचे के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है:—

आयातित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य + आयात भुक्त

—X 100

संभरक का जहाज पर निःशुल्क मूल्य

(जहां कारखाना मूल्य लागू हो)

और

मैं, अध्योहस्ताक्षरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूं कि —————— (प्रत्येक स्रोत देश का नाम) में (कम्पनी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और प्रत्येक स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड—3 संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप से समाविष्ट होने चाहिये।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच तांत्रिक नहर हाड़ों इलैक्ट्रिक पारियोजना के लिये येन क्रेडिट सं. आई.डी.पी.-40 (परियोजना सहायता) से संबंधित 18 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आक इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साधपत्र के माध्यम से निविदा के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई.डी.पी.-40 से संबंधित 13 दिसम्बर, 1986 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आक इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय साधपत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन अप्रेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपद में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संवय में एक धारा होगी चाहिये कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन भारतीय दूतावास के लिये तदृश है और इस उद्देश्य के लिये यह भारतीय दूतावास, टोकियो को, शामिल माल की सुर्दृशी के कार्यक्रम से अवधार करायेगा और पोतलद्वारा से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलद्वारा के पश्चात् आवश्यक व्यारे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिये सहमत होना चाहिये और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिये।

खण्ड—4 ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुरारक्षा

4(1) लाइसेंसदाती को देने पारें देने के लिये नियंत्रित आवधि के प्रत्येक आयातक और विदेशी संभरकों द्वारा विवित हस्तक्षणित

ठेके की भार प्रतियों जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगत बैंध प्रायात लाइसेंस की भी फोटो प्रतियों सहित और परिशिष्ट-2 के प्रवक्त्र में “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन की दों प्रतियों” प्रार्थिक कार्ये छिपा को भेजनी चाहिए।

4(2) उत्तर्वक्त नियाविधि सभी ठेकों के लिये और ठेकों की विधि वस्तु के लिये अनिवार्य आशोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लागू होंगी।

4(3) वित्त मंत्रालय (प्रार्थिक कार्ये विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के नियंत्रण का नोटिस श्रो.ई.सी.एक. को पुर्ववक्ता के लिये भेजेगा। प्रत्येक नोटिस की एक प्रति प्रार्थिक कार्ये विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और प्रायात लाइसेंस की फोटो कापी और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन” की एक प्रति के साथ श्रो.ए.ए.ए.ए. के कार्यालय को भेजेगा।

उपर्युक्त विदेशी संभरकों को भुगतान—साथ पत्र नियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्ये विभाग से ठेके के नियंत्रण का नोटिस और ठेके के दस्तावेज पापत होने पर सहायता लेका तथा लेका परिवार नियंत्रक, वैक आफ इंडिया की टोकियो शाखा को संशोधित संभरक अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रवक्त्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें वैक आफ इंडिया की टोकियो द्वारा तथ्वद्व विदेशी संभरक के नाम में संभरन अनुबन्ध-4 (आपातों के लिये) के प्रवक्त्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रवक्त्र में एक प्राधिकारनोदय, साख्यवत छोड़ती। प्राधिकार पत्र की प्रतियों श्रो.ई.सी.एक. भारतीय दूतावास टोकियो, प्रार्थिक कार्ये विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठाकृत की जायेगी।

5(2) प्राधिकारपत्र भितरे पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आपातों के लिये लागू) या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये लागू) के अनुसार संशोधित विदेशी संभरकों के नाम में प्राधिकारनीय साख्यवत की स्पापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी प्रार्थिक सहयोग नियंत्रण (श्रो.ई.सी.एक.) भारतीय दूतावास टोकियो, भारत में प्रायात के बैंक और सहायता लेका एवं परिवार को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.ए.ए. से प्राधिकार पत्र के प्राधार पर साख्यवत खोलने के लिये उत्तर्वक्त नियाविधि संविधान संशोधन या अन्यथा के लिये प्राप्तवक्त तथा आवेदन से सभी प्राधिकार पत्र/साथ पत्रों के संशोधनों पर स्वतं लागू होगी।

5(3) माल का पोताखान करने के बाद विदेशी संभरक अपने वैकों के मालाखत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिये वैक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके वैकों के मालाखत्र से दिया करेगा और उसके बाद उक्त धनराशि की प्रतिपूति विदेशी प्रार्थिक नियंत्रण से प्राप्त करेगा।

5(4) साथ पत्र खोलने, उसके अधीन सोयां करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के वैकों के अन्य प्रभारों के लिये वैक आफ इंडिया, टोकियो को देय देकिंग प्रसार प्रायातक/विदेशी दंभरकों द्वारा चुकाये जायेंगे संविधा मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर धनराशि की प्राप्ति होने पर श्रो.ई.सी.एक. द्वारा एक वर्षनव्युता पत्र भारतीय किया जायेगा। मह धनराशि श्रो.ई.सी.एक. द्वारा ज्ञान/नियंत्रणों से स्वतं प्रदा की जायेगी। प्रायातक को श्रो.ई.सी.एक. से या लेका परिवार नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की मूलता प्राप्त होने पर सचितवद्वाता वैक्ष के इस पत्र के तुम्ह रूपया भारत सरकार के लेखे में जमा करना पड़ेगा। श्रो.ई.सी.एक. को भुगतान की नियंत्रण

से भ्रोर दृपया जमा करने की तिथि तक (दोनों विन मिलाकर) का व्याज भी प्रायातक द्वारा चालू दर पर भद्रा किया जायेगा।

प्रायातक द्वारा इस प्रकार 0.10 प्रतिशत के वैक भी प्रतिपू प्रतियो के अधीन देय है। विदेशी सम्भरक को आपातों की लागत के भुगतान की तिथि से श्रो.ई.सी.एक. द्वारा उत्तिरुति की तारोड़ तक की गित जाने आने भारतीय प्रवक्ति के लिये भारतीय बैंक, टोकियो को देय व्याज के वैक भारत के सम्बद्ध प्रायातक बैंक द्वारा भारत के लेखे को प्रभावित किये बिना समाप्त बैंकिंग चेनल के भाष्यन से भारतीय बैंक, टोकियो को भ्रेष्ट ग करने तक किया जायेगा।

5(5) प्रतिपूति नियाविधि—भारतीय संभरकों से माल एवं सेवाओं की वैकिंद के लिये श्रम के धनराशि के विवरण के लिये विदेशी विधि, अहं यमजों के वाय तद्यों की गई प्रतिपूति नियाविधि के अनुसार होगी।

उपर्युक्त विदेशी संभरकों को भुगतान—साथ पत्र नियाविधि

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र में परिशिष्ट में संवेदिक अनुसार प्रायातक के प्राविकत बैंकर को निरसावाद कर से प्रकाम्य ज्ञान रानी दस्तावेज दिया होने से पहले इस बात को सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रूपया नियोप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिये समयसमय से चालू वर्तमान 12 प्रतिशत व्रति वर्ष के हित्राव से गितों गई भैत भुगतान के ममतुल दरवे के लिये ड्यान व्रमाई भी और उसने प्रधिक की अवधि के लिये वास्तविक रूपया नियोप की तारोड़ से विदेशी संभरक को वैक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक मूल्या सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार ज्ञान कराने पहेंगे। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अर्थात् जित तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-प्राई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, प्राई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज से लिया जायेगा। प्रायातक की संभरक की किये गये भुगतान की धनराशि और तारीख का नियम्य करने के लिये श्रमग से अवश्य करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से प्रायातक के बैंक द्वारा वैत धनराशि आव दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति को रूपया नियोप पर देय व्याज की अधिक और पूरी धनराशि की कूट के लिये स्वीकार नहीं किया जायेगा। विदेशी संभरक को किये गये यथा भुगतान के ममतुल दरवे की गणना करने के लिये अपनायी जाने भारतीय विनियम की दर भुगतान की तारोड़ को लागू विनियम की यह मिलित वर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-प्राई-टी-सी (पी एन)/74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-प्राई-टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार विनियम की गई हो जो मूल विनियक प्रायातक भारतीय विनियम की सार्वजनिक सूचनाएँ के भाष्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मूल विनियम परिवर्त्ती के गई हो।

इस संबंध में भ्रेष्ट व्याज की दर से ममना में भी जब भी कोई परिवर्तन भ्रायरक होगा अधिकृत कर लिया जाएगा। वह मूल नियम करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी देय धनराशि प्रायातकों को अपने दस्तावेज नोपने से पहले मरकारी ज्ञाने में शीक प्रकार से ज्ञान कर दी गई है। प्रायातक को भी यह मूलियतिक कर देना चाहिए कि वेय धनराशि अपने अद्यगानाओं से दस्तावेजों की मुद्रिती लेने से दहने मरकारी ज्ञाने में ठंक प्रकार से ज्ञान कर दी गई है। यह मूलियतिक करने के लिए भायातक की जिम्मेदारी होगी कि डेंग धनराशि संश्वारी ज्ञाने में शीक

प्रकार से बुरात जमा ५० दी गई है भले ही जब्र वे विशेष परिस्थितियों के प्रस्तुतीत तीसा गुलक प्राधिकारीयों में भाल की सुपुर्वी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देव धनराशि की भाल की सुपुर्वी जैसे से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार भव यैसा बदल कर देव जाए और भास्ते की रसोट मृश्य तर्पक, आयात-नियन्त्रित की दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे आर आयात नाइसेंस जारी न किए जाएं। यिन नेता शोर्पे में उड़ाकून निशेष विषय जागरा बहु-“के डिपोजिट एंड बांसिज ४४३ सिविल डिपोजिट-डिपोजिट फार पर-मैट्रिज एंड स्ट्रो एक्साइ अण्डर ब्रेडिट्स लोंग इयर्मेट” “लोन फोम दि वरन-मंट्र अफ जागरा ४ ०२५ विलियट येन ब्रेडिट सं भाई थी पी-४० कार ए “तीहाता नहर हांड्री इलेक्ट्रिक परियोजना” होना आविष्ट।

6(2). ऊर उल्लिखित भनयाकि या तो भारतीय, "रिक्वेट बैक, नई दिल्ली में या स्टेट बैक आप इक्किया, तींग द्वारा, दिल्लो में चालान के ऊर दार्हनी घोर कोंते में बोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए यरकार की साथ में सार्वजनिक सूचता में 184-आई, टी गो (पी एन)/68, दिनांक 30-8-1968 सं. 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, स. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, स. 74-आई, टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 घोर सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा तिवारिन ल.रीव में जमा हुआ चालित।

6(3). भारत सरकार, विन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग हांग ऐरी मांग किए जाने के बाव सात दिनों के भातर मध्यम भारतीय बैंक सी द्वारा निर्धारित तरीके से यह भरतित धनराशि सेवाओं के निमित भेजेगा औ विन मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मार्गी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आगामीको/दूनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चित कर देना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी बी' (पी एन) /71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित मूलता चालान के कामयम "धन प्रेपार और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण और मे" निरवाचक रूप में लिंगिट किए गए हैं। आजाना चालान में निन्नलिखित और निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) वित्त मंत्रालय की प्रतिकार पत्र संध्या और दिनांक।
 (ख) येन मुद्रा की वह धनराश जिसके संबंध में अपमार्फ गई परिवर्तन को दर के साथ लिखें किए जाते हैं।
 (ग) दिल्ली नगर नियम विभाग द्वारा दिए गए विवर।

उसके पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का संदर्भ बेंग हुए और वीजक उथा पीर परिवहन वस्तुवेजों को संलग्न करते हुए आजाना सालाम था, जमा करने का ममत बेंग हुए पंजाब इक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को मेजा आना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक की यह सुनिश्चित फरमा चाहिए कि रूपए का निक्षेप मार्केट बैंक ट्रांकियों को अदायगी की सूखना और अपरिवर्तीय पोस्टलदान वरतावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरूपवाद क्षय से किया जाना चाहिए और यह कि इसके सुरक्षाल बाद सो. ए. ए. एड. ए. विन मदालय (आयिक कार्य विभाग), नई विन्ली को सुचित कर दिया जाएगा।

6 (4). भारत में समाज भारतीय जैक को लाइसेंस दूजा विनियम नियंत्रण प्रति वर रुपया निकायों की वर्तमानी का पूर्णांकन करता चाहिए औ उस अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बन्दर्ह को भेजता चाहिए।

8(1). भावात् जाइंस के उपयोग करते की रिपोर्ट-भावात् को पोतवात् और उसके मरीन किए नए भगवान् और शैष प्रदर्शन।

के बारे में साख पत्र खोलने के बाद एक भौतिक रिपोर्ट सहायता सेवा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रण, प्रार्थिक कार्य विभाग, विन संस्कारण यू. सी. एस. बैंक विभाग, समृद्ध सार्व, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8 (2) सभरको को विशेष शर्ती के बारे में अधिसूचित करना।— लाइसेंसधारी के द्वायात लाइसेंस में दिए गए किसी उम विशेष उपचारधारी से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव मानता है।

४(३). विवाद ।—इस सदस्य तिर्यक रद्द किए जानेवेत्तरागे और सभकों के विवाद कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत गवर्नर कोई उत्तरदायिक व नहीं लेगा। भारतीय बैंक, टोकियो बारा किए गए भुगतान में पहुँचे अन्यरक्त हांग पूरो की जाते वाली गर्भ अनुबंध-२ में “भुगतान की गर्भ” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। सभिवाद की शर्तों में विवाद के निराकार संभव अवश्यक लाभित होनी चाहिए।

8 (4). भविष्य अनुदेश—प्राप्त लाइसेंस या उसके संबंध में उठ जाए होने वाली किसी सामग्री या अन्य सामग्री से संबंधित या जापानी प्राधिकारियों के साथ ये। हेठले समयमें (सिरोन्टा बायोना) में आई थी, परी—40 के प्रबल समी सामग्री को विवेसी अधिक नियम नियमित जापान (ओ. ई. ई. ए. ए.) के साथ युद्ध गश्ने के लिये भारत सरकार द्वारा समयसमय पर जारी किए गए नियेसां, अनुदेशों या यादेसां का लाइसेंसमारी को तुरत्स पालन करना होगा।

8 (5). ग्रन्तिस्थित या उत्तरवेष्टनः—उत्तरवेष्टन शब्दां ते निर्धारित किए गई शब्दों के प्रतिक्रमण या उत्तरवेष्टन करने पर आवात-नियम (प्रतिविधि) अधिकारियम के अधीन उचित फारंबाई की जाएगा।

9(6). अनुबन्धों की सूची ।—

1. अनुवाद- 1	पात्र स्वोत देखीं की सूर्ख
2. अनुवाद- 2	प्राधिकर पत्र जरी करने के लिए अनुरोध
3. अनुवाद- 3 rd	प्राधिकर पत्र का प्रपत्र
4. अनुवाद- 4	साथ पत्र का प्रपत्र (वास्तविक आदानों के लिए लागू)
5. अनुवाद- 5	साथ पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)
	अनुवाद- 1

(二) *स्वास्थ्यमन्तर्गत देश या देश जोको देश*

(-1) शब्दों का शब्दावली के लिए शब्दावली बनाएं।

1. संक्षेप संक्षेप

1108

मोरोका

तुनीशिया

. ਅਫੀਕਾ, ਦਖਿਣ

अंगोला

九

३१८

મણી

कीरिया
मालामी गणतंत्र
पारिनिया, मारीजाल
पुर्णगाली गिनो ए

आंडा
सिलरा लिपोत
स्त्रीजीरीएड
बुगाप्पा
बाहरे गणतंत्र
बोस्प, ना
कैप बर्मी दीप समूह
कमारो दीप समूह
इत्योपिया

गिनो
सेतोबी
चालाबी
मुजिनिक
रियुनियम
सेनेगल से
सोमालिया

टेरी आपस भोहु इस्लाम
तंजानिया, गणतंत्र संघ
जामिया
बुर्की
केन्द्रीय अकाका गणतंत्र
गांगोक, शाहूसे का गणतंत्र
जामिया
भाइवरो कोस्ट
लाइवीरिया
माली
नाइजर
रोहेशिया
सेप्पिलिज
सूडान
टोगो
भपर थोल्टा

3. अमेरिका, उत्तरो और केन्द्रीय
बहुमत
बर्मा
जॉमिनिकन गणतंत्र
ग्वाटेमाला
जॉमेका
नीदरलैण्ड अमिनिलीज
मेश्ड, यियरो और निकेलान

(क) सह संबंध राज्य (1)
(ख) अमेरिक (2)
वारवाडीज

कोस्टारिका
एत सालवाडोर
हृतो
माटिनिक
निकाराग्या
दिनीजाक और थोवागो
बेलाइज
बन्दूरा
बुवाडे लोप
होन्डरस
मैक्सिको
पनामा
वैल रडीज (जारा) एन थाई है

(1) पहले स्थेतो गिनी का प्रदेश, फराइदा वो दीप हित

(2) निन्नलिकित द्वीपो हित :—

असेन्थन, दिल्लिन्दा इन एमो बउ ; नाइटोन, गफ

(3) मुख्य दीप भूद, भर्फवा, बोनाइरे, ब्रूरोकोओ, तहा, लेन्ड-
हैलेना और दीप (2) त्वो ठांगो एण्ड ब्रिसेप

4. अफ्रिकी अमेरिका

अर्जेंटीना
चिली
फ्रांसिसो गुयाना
पीरु
बोलिविया
कोलम्बिया
गुयान
सुरिनाम
आर्जेल
फालक सैण्ड दीप समूह
पराग्वे
उर्गवे

5. मध्य-पूर्वी एशिया

बहुरीन
लेबनान
यूमारेटिड अरबी अमिरात (3)
इजराइल
ओमन
यमन अरब गणतंत्र
जोर्डन
सिरियाई प्रवक गणतंत्र
यमन अनवादी क्षा

6. भूमि प्रार (4)

द. दिल्लिंग एशिया
प्रफ़ागानिस्तान
वर्मा

- (क) माल का उद्दाम हैता।
- (ब) यदि कोई हो तो पात्र से भिन्न भोत देशों से आयातिन संभरकों का प्रतिशत।
- (छ) संविदा का कुल जहाज पर निःशुल्क मूल्य (येत में)।
- (ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के अभीशन की धनराशि (येत में)।
- (झ) बास्तविक जहाज पर निःशुल्क नागर तथा भौत्य मूल्य (येत में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (झ) समुद्रसार के संभरकों के साथ की वह संविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और राष्ट्रीयता।
- (ड) वे भूगतान जहाज और संभावित तिथियाँ जिनको संविदा के अंतर्गत भूगतान देय हैं।
- (इ) सुपुर्दी को पूर्ण करने की प्रत्यालित तिथि।
- (इ) वैक और इंडिया, टोकियो को भूगतान करने समय प्रस्तुल किये जाने वासें दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उसका निपटान विवरण हैं)।
- (ए) पोतलवान घनुदेश बाहुनांसरण/पार्ट-लिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं निविट कीजिए।
- (ए) भारत में आयातक के वैक का नाम और पता।
- (ए) यह उसी जाहाजें के अंतर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिभूतित करवी गई है, यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित अवालन का वह सदर्श विस्तेर के अंतर्गत और एक संभरकों को इसे अधिभूतित किया गया है।
- (ए) वह साख-पत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए वैक और इंडिया, टोकियो को देय वैक खर्च आयातकों/या संभरकों वहन किए जाने हैं।
- (ए) आयातक द्वारा वचनमंदता :—
“हम एतद्वारा सरकार द्वारा लिखित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को किए गए भूगतान के मनुष्य रूपों को पूरा और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निवेप भाल (आयातिन सामग्री) की सुपुर्दी सौपने से पूर्व तत्काल ही धनराशियों जमा कराई जाती है। विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भूगतानों के मामले में, विए गए ज्यों ही विदेशी संभरकों के बीजक हमारे हांडा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भूगतान कर दिया जाए, ज्यों ही धनराशियों जमा करा दी जाए।”

मनुष्य-3

सं. एफ—
भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
प्राधिक कार्य विभाग

सेवा में,

वैक और इंडिया,
टोकियो शास्त्रा
टोकियो (जापान)

नई फिल्सी

तिथि : येत लैडिट (दरियोजनों सहायता) छूट करार से जारी ही हो के अधीन पायात साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

धिय महोदय,

प्रापके वैक के गाय 25-3-1980 को किए गए सामग्रीते की जहाज के अनुसार प्रापको एतद्वारा यथा मंलग्न अंडोरे के अनुसार सर्व श्री— के नाम में—येत धनराशि के लिए प्रपत्रितंनीय साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. प्रापके वैक द्वारा खोले गए प्रत्येक साख-पत्र की प्रति प्रापक के वैक ओर एक भारतीय द्वावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साख-पत्र की जहाजों के अनुसार प्रापक में संभरकों को भूगतान आपकी निपत्रित तिथि से किया जाएगा भूगतान के माय और इन्हींएक को प्रावधायक दस्तावेज भेजकर किए गए भूगतान की प्रतिपूर्ति का वावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरकों को भूगतान करने के बाए आपको—

(आयातक के वैकर का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन दस्तावेज (मोल तोल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण सेट और नक्श भूगतान यदि कोई हो तो उसके सहित संभरक को किए गए भूगतानों के लिए डेविट एडवाइस की एक प्रति मेज़नी चाहिए।

5. संभरकों को आपके द्वारा किए गए मुगतान की तिथि से और ओर एक द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपकी देय व्याज प्रधार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेवे को प्रधारी किए विदेशी संभरकों के बीच के मायम में भारत में आयातक के मन्दद वैक के साथ किया जाएगा। वैकों के मन्य लाल जिसमे साख-पत्र खोलने, रख-रखाव करने और साखालयों को जारी रखने के लिए अर्च भी आवित हैं क्योंकि वे माय वरकाम्य दस्तावेजों वे रखना तो चाहिए। नवांत और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के बीच भी विदेशी संभरक को ही देने पड़े और इन लड़ वर्तान द्वारा उड़ान भूगतान नहीं करा जाएगा और इसनिए उहों सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भूगतान की प्रतिपूर्ति का वावा ओर इन्हींएक में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भूगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसको सूचना निर्धारित प्रधार में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्रसार संभरकों के नाम में साख-पत्र खोलने के लिए है इस मंत्रालय के विशिष्ट प्राधिकार के विनाइम प्राधिकरण के मद्दों पर आपको के नए मंत्रालय या मांगात्री में बाद में संगीत्री का अनुपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकार पत्र—तक वैष रहेगा।

9. कृपया डेके से संशोधित सभी पत्रावारों में और भूगतान प्रदीनित करन वाली एडवाइस में भी प्रत्युत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हवाला दें।

भवतीय

लेखा मधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को

1. आयातक—को उनके/पत्र सं—
दिनांक के—के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे वैकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी सेवे से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने वैकों के माडयम से अप्यान निभेप प्राप्त जमा कराने का प्रबंध करें। अपवाह परिवित्रिमों के

हां मैं पर्याप्त मात्रा की डिसीओरों से दो दो ही सोपा शुक्र और पन्थ प्राक्तिकारियों ने मूल पोतलदान दस्तावेज़ भेजे बता हां प्रत्यक्ष कर ली जाती हैं तो डेली वर्ग नेतृत्व से पूर्व ही निश्चय किया जाने चाहिए। विदेशी यात्रियों द्वारा, दी गई सेवाओं के लिए भूमतान के मामले में जैव ही नबद्दल औरके भूगतान के लिए अनुमोदित हो जाए। निश्चय कर दिए जाएं। निश्चय शीघ्रता और उचित हृषि से न कर्ने पर लाइनें शर्तें के अन्तर्वर्ती कार्बवार्ड की जा सकती हैं।

2. (1) आयातक के बैंकर-दिनांक-को यह आयात लाइसेंस-
के संदर्भ में है। यह प्राधिकारपत्र येन-ट्रेडिंग के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस अन्तों के अन्तर्गत जारी किया जाता है कृपया लाइसेंस अन्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचना/आदेश का अवलोकन किया जाए और आदात/विदेशी भगतानों से संबंधित उचित की गई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, दोकियो ब्रांच में दस्तावेज प्राप्ति करने पर विदेशी संभरक को बैन भूगतान के बराबर है ये जमा करने की घबस्था करें। संभरकों को बुकाई गई धनराशि के बराबर राशि की भूगतान न.वर्वजनिक सूचना मं. ४-प्राइटीनी (पीएन) / 76, दिनांक 17-1-76 या अन्य रैमी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुमार संभरकों को भूगतान करने की निधि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिथित दर पर की जाएगी प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भूगतान की नारीख में बैंक ऑफ इंडिया को प्रतिपूर्ति की नारीख और जब भगतुल्य रूपया भारत मरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो प्रविधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उन्हें भी सार्वजनिक सूचना मं. 31-प्राईटी मी (पी.एन) / 83, दिनांक 10-8-83 के अनुमार भारत मरकार के लेखों में जमा करना अपेक्षित है। ब्याज दोनों दिलों के लिए देय है अर्थात् वह नारीख जिमकों विदेशी संभरक को भूगतान किया जाता है और यह भी नारीख जिमकों भारत मरकार के लेखों में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उन्हें सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को मीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल टेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्ट्रेट बैंक, तीस हजारी में बालात्के दाहिनी ओर कोड म. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करने चाहे हए। इस संबंध में उनका ध्यान सर्वजनिक सूचना म. 184-आई टी सी (पी.एन.)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आई टी सी (पी.एन.)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी.एन.) 71, दिनांक 5-10-71, म. 74-आई टी सी (पी.एन.)/74, दिनांक 31-5-74 एवं म. 103-आईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-76 में किए गए प्राक्थानों की ओर दिलाया जाता है वह लेखाशीर्ष जिम्में सूचया जमा कराना है “के डिपाजिट्स एंड एडवामेंज—843-मिलिल डिपाजिट्स—डिपाजिट्स का परन्तेजिंग एस्टेट्सड अब्राद एंडर परन्तेज अंडर क्रेडिट/लोन एंग्रीमेंट लोन कोम्पनी दि गवर्नमेंट अँक जापान बिलियन यैन क्रेडिट (परियोजना महायता) म. आई टी पी-3-5 फार 1985-86 है।

जिन मामलों में तुल्य हथया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया; नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीम हजारी में सार्वजनिक मूचना में, 132-आर्डीटी सी (पी.ए.पी.)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुमान रत्नकद जमा कराना है। उसमें चालान के मूल स्पष्ट में एक प्रतिलिपि बैंक ऑफ इंडिया टांकियो शास्त्र से प्राप्त मूचना टिप्पण का पूर्ण विवरण देने हुए अधेषण पत्र महिने उनके दाया निम्नलिखित पते पर 'मेरी जापानी' ---

महायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यु. सी. शो बैंक विलिंग,
मंददर्मा, नई दिल्ली-110001.

जिन मामलों में तुम्हे सरपा डार अर्कानि सार्वत्रिक युनना त. दिनांक 24-10-68 में यथा-उल्लिखित दस्ती हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है। उगकी युननाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। मर्भी मामलों में, जमा किए ताकि तुम्हें स्पष्ट का पुरा चौरा इम विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भूगतान की नियति से और और और ईसी एक द्वारा उसकी प्रतिरूपी की तारीख वर्क के बीच के समय, के लिए बैंक ऑफ इंडिया को देय ब्याज प्रभार सीधे ही आपके द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रभावी किए बिना यामाल्य बैंकिंग गुरुओं के माध्यम से भारत में आयातक के बैंक के साथ निपटान जाएंगे।

3. निदेशक, श्रृंग विभाग-2,
मसूद पार आर्थिक महायोग निधि,
टंकवसी मूडी विलिंग,
- 4-1. ओहाटमें 1-कोने,
चिपेडा, कु, टोकियो 100 जापान
4. भारतीय इतावास, टोकियो।
5. अबर मचिज, जापान अनुभाग, विन
आर्थिक कार्पै विभाग, नई दिल्ली

(नेत्रा अधिकारी)

अनवंध-

(ओ ई नी एफ एल सी-1 प्रपत्र)

अपश्चिमीय साह-पक्ष

fazit

गोप्य ये

पिय मातृहृष्ट

यह मायावत (झर्णी) और विदेशी अर्थात् सहयोग निधि के बीच हुा क्रूर करार सं- दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिया महोदया

हम सूचित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए बीजक के पुरे मूल्य के लिए दर्शनी हृषी द्वारा उपलब्ध रकमें या रकमों के लिए हमने अपरिवर्तनीय साखापत्र संख्या दिया है जो— छोल दिया है जो— येन (—येन कह सकते हैं) की कुल धनराशि में अधिक नहीं है। इसे निष्पत्तिशिव दस्तावेज के भांध भेजा जाना है।

हस्ताक्षरित वाणिज्यिक बीज

कलीन आनंदोई, समृद्धी पोत लदान बिल जितमें दिए गए आदेशों का पुरा सैट हो बैंक पृष्ठांकित एवं चित्रित “फेट एवं नोटिकाई” ग्रन्थ दस्तावेज जितमें से तक लदान का मत्यापन दिया गया हो। सविदा से— (यदि कोई हो) के संदर्भ में मंकिप्प विवरण आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। बाहनांतरण स्वीकृत है।

पोतलदान विल जी— से बाद की तिथि क
नहीं होता चाहिए। आदेशिती को 19 तक शुद्ध
प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी 'ड्रापट दस्तावेज पर यह अंकत होता चाहिए अपरिवर्तनीय मालाबाद में ————— दिनांक ————— 19 के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संदर्भ में, (संलग्नाएं) यदि कोई हो, यह क्रेडिट हस्तानंरणीय नहीं है।

संघर्षवादी वचन होते हैं कि इन फ्रेडिट के अधीन भी इसी शर्तों का अनुमति दिए जाएं गए यारी ड्राइव प्रस्तुत करने पर प्रौढ़ आदेशियों को दस्तावेजों का सुनुदेशी पर विधिवत् स्वीकार किया जाएगे।

जब तक यत्यता स्पृष्ट ने विमारूपूर्वक न प्राप्त जाए कि फ्रेडिट "यूनीफार्म कल्पना एंड पैनिंग फार्म डाकूमेंट्स फ्रेडिट (1974 डिसेंबर) इंस्टरेशनल चैम्बर ग्राफिक कामसे प्रिन्टिंगन नं. 290" के अधीन है। सौदा करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश हैं:

उपर्युक्त अल्प कागर के अन्तर्गत जारी किए गए वचन प्रक्रिया की व्यवस्थाओं के अनुमार विवेशी आधिक सम्बोध निधि द्वारा ज्ञात भूगतान के लिए प्रतिपूर्व धार्य करने के बाद हम वचन होते हैं कि हम सौदा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुमार हृष्टि की व्यवस्था को लौटावेंगे।

2. सौदा करने वाले बैंक को यह वचन हुए कि हम ड्राइव प्रौढ़ इस्टावेजों का एक पूर्ण सेट और इसके साथ एक प्रगाणपत्र अवधारणा भेजें कि शेष इस्टावेज़ मीथे भी हवाई ग्राफ द्वारा

को भेज दिए गए हैं।

3. इन फ्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंकों ने वहाँ आवायन/समरक के लिए किए गए हैं।

भवित्वीय,

(—)

वाणिजिक बैंक

द्वारा

प्राप्तिकृत दस्तावेज़

भूगतान जन्म

यह भूगतान हमारी साक्षात् सं. — का अधिक्षम अंग है। 1. प्रारंभिक भूगतान

प्रत्यरोगि — येन जो कि कुल संविदा मूल्य के प्रतिशत है।

ग्रांटिंग इस्टावेज़ प्रस्तुत करने की अन्तिम निधि

2. मध्यवर्ती भूगतान
(यदि कोई हो)

धनराशि — येन जो कि कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अंगकृत इस्टावेज़
प्रस्तुत करने की अंतिम निधि
3. प्रतिशत इस्टावेज़ों
के मध्य भूगतान

धनराशि — येन संविदा के कुल मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी : प्रतिशत इस्टावेज़ों के मध्य पूर्ण भूगतान के सामने में हम संतुष्ट दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है।

अनुबन्ध-३

(ओई सी एफ एल सी प्रप्र-२)

प्रारिवर्तीनीय साक्षात्

(भेजाओं के लिए साग्र)

विमाकि.

संभव है,

इस साक्षात् जारी और विवेशी आधिक सम्बोध निधि के सीधे ग्राफ द्वारा अल्प कामगार में

(समरक का नाम य परा)

विमाकि.

के अनुमति में जारी

किया गया है।

प्रिय सम्बोध,

इस प्राप्ती सुनिन करते हैं कि हमारे नाम में विकानों के लिए पूर्ण व्यापार सूच्य के लिए याभकारी ड्राइव एंड साइट द्वारा उत्तरान्वय रकम या रकमों के लिए प्राप्ते सामग्री में हमने प्रारिवर्तीनीय साक्षात् में बोल दिया है जो येन (येन पहले) की कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भूगतान अनुमूली के अनुमार ग्रंथित (मविदा और परियोजना) से संबंधित इस्टावेज़ों की नवी करता है सौदा तथा करने के लिए ड्राइव में पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

मर्ती ड्राइव और इन्स्ट्रायेज़ प्रारिवर्तीनीय साक्षपत्र में विनांक के अन्तर्गत भूता लिए गए हैं, ने विनित होने चाहिए।

यह केडिट हरनान्वरणीय नहीं है।

इस एकद्वारा वचन देते हैं कि इन फ्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों को अनुमालत में भूता गए सभी ड्राइव प्रस्तुत करने पर और आदेशियों की सुनुदेशी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक यत्यता स्पृष्ट से विमारूपूर्वक न बताया जाए, यह फ्रेडिट "यूनीफार्म कल्पना एंड प्रोटेस कार्प डाकूमेंटरी फ्रेडिट (1974 डिसेंबर) इंस्टरेशनल अम्बर आफ कामसे न. 290" के अधीन है।

सौदा करने वाले बैंक को विशेष आवेदन :

इसमें संलग्न प्राप्तव के अनुमार क्षणी और इसके मध्यवर्ती अधिकारी द्वारा जारी किए गए निधावन के सूल विवरण की प्राप्ति के पास्ता तु इस फ्रेडिट के अन्तर्गत भूगतान इसमें संलग्न शीट में विर्तारित भूगतान अनुमूली के अनुमार लिए जाने चाहिए। प्रारंभिक सूचात भूगतान के मामले में उपर्युक्त निधावन के विवरण के अन्तर्गत वास्तविक विवरण की आवश्यकता है।

आर उलिमित अल्प गतव्यों के अधीन जारी किए गए व्यवन्वद्धता पत्र के उपर्युक्तों के अनुगार विवेशी आधिक सम्बोध निधि में अप्से भूगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम ड्राइवों की धनराशि का मोत तोल करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार अप्रैवित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद । में यथा उलिमित इस्टावेज की एक प्रति और मसोदे हमें उत्तरी प्राप्ति के तुरन्त बाव भी भेजे जाएंगे।

4. इस साक्ष के अन्तर्गत बैंक के यथी स्वर्व संभरकों के लिए है।

भवदीय,

(वाणिजिक बैंक)

द्वारा

(प्राप्तिकृत दस्तावेज़)

भूगतान अनुमूली

यह अनुमान अनुग्रामी द्वारे नायाम सु का एक अधिक्षम अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान.....	येन
धनराशि.....	येन
कुल संविदा मूल्य का.....	प्रतिशत है।
प्रोजेक्ट वस्तावेज नामसारी विवरण को अनियं भुगतान तिथि	
2. भुगतानवृद्धि	
सम्पूर्ण योग की धनराशि.....	येन
कुल संविदा मूल्य का.....	प्रतिशत
निम्न प्रधार में भुगतान किया जाता है :—	
देश धनराशि	अंतिम भुगतान तिथि
येन.....	
पहली किस्त देश.....	
.....	
.....	
प्रोजेक्ट वस्तावेज (अर्थी भ्रमवा उसके भनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिमका एक प्रपत्र संलग्न है।	
निष्पादन का विवरण	
दिनांक.....	
संदर्भ.....	
सेवा में.....	
.....	
.....	
(वस्तावक का नाम और पता)	
संदर्भ :— जून करार म..... के अन्तर्गत..... के परियोजना से तंत्रजिल..... के नाम में..... येन के लिए..... द्वारा जारी किए गए याकू एक की सं..... दिनांक.....	
मैं अधिकारी, प्रतिनिधि (अर्थी एकद्वारा और..... के बीच भभगीता म..... दिनांक..... में विहित भुगतान की शर्तों के अनुसार सम्पूर्ण आधिक वहायता निधि क्षारा.....	
.....	
.....	
वी धनराशि..... येन केवल)	
प्राप्त करने के लिए एक निष्पादन विवरण जारी करता है।	
(.....)	
(अर्थी)	
.....	
(अधिकारी वहायत)	

विलोक्य अनुदेश :—
वास्तविक निष्पादन का विवरण उसमें संकेत पत्र हैं दर्शाया जाएगा

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice 201-ITC(PN) '85-88

New Delhi, the 16th July, 1987

Subject.—Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 8.025 Billion for the implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board (W.B.S.E.B.) extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan.

F. No. IPC/23(34)/85-88.—The terms and conditions governing imports under the Yen Credit of Yen 8.025 billion for implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board extended by the Overseas Economic Co-operation Fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

S. P. DHUPAR, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 201 ITC(PN) 85-88 dt. 16 July, 1987.

Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit of Yen 8.025 Billion for the implementation of the Teesta Canal Hydro Electric Project of the West Bengal State Electricity Board (W.B.S.E.B.) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 8.025 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Teesta Canal Hydro Electric Project of West Bengal State Electricity Board is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 8.83 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN) 74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and

the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 40". The first and second suffix to the licence code will be "S JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of West Bengal State Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 8.83 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh licence may be referred to the Department of Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB, C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licensee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond

8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-1993.

Section II.—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB, C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification,

notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc., will be submitted to OECF for its review.
- (c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

- (1) Terms of Reference
- (2) Short List of Consultants
- (3) Letter of Invitation
- (4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.
- (5) Draft Contract

- (d) The application documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 40 for 1986-87 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juristic persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty per cent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formula :—

**IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100
SUPPLIER'S FOB PRICE**

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)".

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :

**IMPORTED CIF PRICE + IMPORT DUTY × 100
SUPPLIER'S FOB PRICE**

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)".

Section III.—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 18th December, 1986 concerning the Yen Credit No. ID-P. 40 (Project Aid) for Teesta Canal Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 40 dated 18th December, 1986 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Impor-

ters require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV.—Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders the licensees should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract of OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V.—Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA & A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA & A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA & A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his

bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI.—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN) 76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping

etc. document, by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—8.025 Billion yen credit No. ID-P. 40 for the Teesta Canal Hydroelectric Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances

and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII.—Miscellaneous Provisions.

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, UCO bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P. 40 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECD).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures:

Annexure I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt

Morocco

Tunisia

Senegal

Seychelles

Sierra Leone

Somalia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola

Benin

Botswana

Burundi

Cameroon

Cape Verde Islands

Central African Rep.

Chad

Comoro Islands

Congo, People's Republic of Dahomey

Equatorial Guinea (1)

Ethiopia

Gambia

Ghana

Guinea

Ivory Coast

Kenya

Lesotho

Liberia

Malagasy Republic

Malawi

Mali

Mauritania, Mauritius

Mozambique

Niger

Portuguese Guinea

Reunion

Rhodesia

Rwanda

Sudan

Swaziland

Eritrea, Afars and Issas

Togo

Uganda

Un. Rep. of Tanzania

Upper Volta

Zaire Republic

Zambia

St. Helena and dep (2)

Sao Tome and Principle

III. AMERICA, North and Central

Bahamas

Barbados

Belize

Bermuda

Costa Rica

Quba

Dominican Republic

El Salvador

Guadeloupe

Guatemala

Haiti

Honduras

Jamaica

Martinique

Mexico

Netherlands Antilles

Nicaragua

Panama

St. Pierre & Miquelon

Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea including the island of Fernando PO;

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough,

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States (1)

(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina

Bolivia

Brazil

Chile

Colombia

Falkland Islands

French Guiana

Guyana

Paraguay

Peru

Surinam

Uruguay	Gibraltar
V. ASIA, Middle East.—	Greece
Baharain	Malta
Israel	Spain
Jordan	Turkey
Lebanon	Yugoslavia
Oman	
Syrian Arab Republic	
United Arab Emirates (3)	1. Main Islands : Antigue, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis -Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
Yemen Arab Republic	2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
Yemen, People's D.R. (4)	3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
VI. ASIA South	4. Including Aden and various sultantes and emirates.
Afghanistan	5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
Bangladesh	6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)
Bhutan	
Burma	
India	(a2) Member of Association Countries of OPEC
Maldivis	Algeria
Nepal	Bolivia
Pakistan	Libyan Arab Republic
Sri Lanka	Gabon
VII. ASIA, Far East.—	Nigeria
Brunei	Ecuador
Hong Kong	Venezuela
Khmer Republic	Iran
Korea, Republic of Lub	Iraq
Laos	Kuwait
Macao	Qatar
Malaysia	Saudi Arabia
Philippines	Abu Dhabi
Singapore	Indonesia.
Taiwan	
Thailand	
Timor	
Viet-Nam, Rep. of	
Viet-Nam, Dem. Rep.	
VIII. OCEANIA.—	
Cook Islands	
Fiji	
Gilbert & Ellice Is.	
French Polynesia (5)	
Nauru	
New Calendonia	
New Hebrices (Br. and Fr.)	
Nine	
Pacific Islands (US) (6)	
Papua New Guinea	
Solomon Islands (Br.)	
Tonga	
Wallis and Futuna	
Western Samoa	
IX. EUROPE	
Cyprus	

ANNEXURE-II**REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY**

No. Date

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi—110001.

Sub: Import of _____ from _____ under the
Yen Credit No. 1D—P— (Project Aid
for 198—8).

Sir,

In connection with the import— from— under the above mentioned Yen Credit No. ID-P—(Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the — (name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement-whether it is based on direct purchase or formal open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/ C&F value of contract (in Yen)
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas supplier :
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in india.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or supplier.

(s) **Undertaking by the importer :—**

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE-III
(Letter of Authority form)

No. F.

Government of India
Ministry of Finance
Department of Economic Affairs
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan.).

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P.....Issue
of Letter of Authority for opening Letter of
Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen favouring M/s. as per attached details.

2. A Copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to(Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (Negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you

by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to:-

1. Importer.....with reference to their letter No.....dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payments. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Banker....This has reference to import Licence no.—dated—. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notices/orders etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2.(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the public Notice No. 8- ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time, Interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/ date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of public Notice No. 31 ITC (PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the originals set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the public Notices No. 184— ITC (PN)/68 dated 30-3-68, 233—ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, 132—ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74—ITC (PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103 ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases, etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Governments of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. for 198—8.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132 ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director Loan Department-II, Overseas Economic Co-operation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1 Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV
Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

To _____

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and
THE OVERSEAS
ECONOMIC CO-OP-
ERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y (Say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify"
Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from to Partial shipments are permitted. Transhipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under irrevocable credit No., dated and Import Reference No. (s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision,) International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct.
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By
(Authorized Signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Y
being % of the total
contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Y
being % of the total
contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Y _____
being _____ % of the total
contract price.Note :—This attached sheet is not required in case
of full payment against shipping documents.ANNEXURE-V
Form OECF-LC IIIrrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

To

Date :

This Letter of Credit has
been issued pursuant to
Loan Agreement No. _____(Name and address of
the Supplier)dated _____
between (Borrower) and
THE OVERSEAS
ECONOMIC CO-
OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No."

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached

hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)
By :

(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Y _____
being _____ % of the total contract
price
Required documents : beneficiary's Statement
Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____
being _____ % of the total
contract price to be paid as follows:

Amount due Latest presentation

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : Y _____

Required document : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date :

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____, dated _____
 issued by _____
 for Y _____ in favour
 of _____ concerning _____

Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower),
 hereby issue a Statement of Performance to entitle
 _____ to receive the sum of Y _____
 (Yen _____ only) from THE OVERSEAS

ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance
 with the Payment Terms stipulated in the Contract No., dated
 between and

(Borrower)

By :

(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
 stated in the sheet attached hereto.